(c) No, Sir.

(d) Does not arise.

नये कोयला भंडारों का पता चलना

*258. **डा० अबरार अहमद :** क्या कोयला मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या पिछले दो वर्षों के दौरान किन्हीं नए कोयला भंडारों का पता चला है ;

(ख) यदि हां, तो किन-किन स्थानों पर नए भंडार मिले हैं तथा इस संबंध में कितनी सफलता प्राप्त की गई है ; और

(ग) सरकार के अधीन चलने वाली कोयला खानों में पिछले तीन वर्षों के दौरान हुई दुर्घटनाओं में मरने वालों की संख्या क्या है तथा इस संबंध में दिए गए मुआवजे का ब्यौरा क्या है?

कोयला मंत्रालय के राज्य मंत्री (श्री पी०ए० संगमा) : (क) और (ख) देश के विभिन्न भागों में कोयले के भंडारों का पता लगाए जाने के लिए क्षेत्रीय अन्वेषण कार्य भारतीय भू-सर्वेक्षण द्वारा निरन्तर आधार पर किया जाता है । इन अन्वेषणों के आधार पर केन्द्रीय खान आयोजन एवं डिजाइन संस्थान के साथ खनिज अन्वेषण निगम लि० तथा अन्य ड्रिलिंग अभिकरणों द्वारा खनन आयोजन के उद्देश्य से अन्वेषण कार्य विस्तृत रूप में शुरू किया जाता है । भारतीय भू-सर्वेक्षण तथा अन्य अभिकरणों द्वारा किए गए अन्वेषणों के परिणामस्वरूप 1-1-1989 को अनुमानित कुल 1,76,330.35 मिलियन टन के कोयले के भंडारों की तुलना में 1-1-1991 की स्थिति के अनुसार कुल 1,92,359.15 मिलियन टन कोयले के भंडारों का अनुमान लगाया गया है, जिससे 16,028.80 मिलियन टन की वृद्धि का पता चलता है । दिनांक 1-1-1989 तथा 1-1-91 की स्थिति के अनुसार कोयले के राज्यवार भंडारों का ब्यौरा नीचे दिया गया है :—

(कोयले के आवर्ती भंडार मिलियन टन में)

राज्य	1.1.89 की स्थिति के अनुसार	1.1.91 की स्थिति के अनुसार	1.1.91 की स्थिति के अनुसार कोयले के भंडारों में हुई वृद्धि
आंध्र प्रदेश . . .	10086.20	10771.35	685.15
अरुणाचल प्रदेश . .	90.23	90.23	—
असम . . .	280.03	295.18	15.15
बिहार . . .	59132.24	62084.85	2952.61
मध्य प्रदेश . . .	28814.61	37053.18	8238.57
महाराष्ट्र . . .	5271.84	6071.18	799.34
मेघालय . . .	458.94	459.43	0.49
नागालैंड . . .	12.05	19.94	7.89
उड़ीसा . . .	41556.64	44304.43	2447.79
उत्तर प्रदेश . . .	1062.21	1062.21	—
पश्चिम बंगाल . .	29565.36	30147.17	581.81
जोड़ :	1,76,330.35	1,92,359.15	16,028.80

(ग) पिछले तीन वर्षों के दौरान कोल इंडिया लि० तथा सिंगरेनी कोलियरीज़ कंपनी लि० की कोयला खानों में हुई मृत्यु की दुर्घटनाओं की संख्या तथा इस संबंध में अदा की गई मुआवजे की राशि नीचे दी गई है :—

वर्ष	कोल इंडिया लि०		सिंगरेनी कोलियरीज कंपनी लि०	
	मृत्यु की दुर्घटनाओं की संख्या	अदा की गई मुआवजे की राशि (लाख रु० में)	मृत्यु की दुर्घटनाओं की संख्या	अदा की गई मुआवजे की राशि (लाख रु० में)
1988	156	95.89	17	11.25
1989	151	104.40	17	7.35
1990	131	77.44	24	12.09

Trolleys Provided at Airports in Delhi

*259. SHRI SUBRAMANIAM SWA. MY: Will the Minister of CIVIL AVIATION AND TOURISM be plea. sed to state:

(a) whether Government are aware that the trolleys provided to the passengers at Airports in Delhi are of inferior quality as compared to trolleys used at Bombay airports and cause inconvenience to the passen gers;

(b) what is the average price of each trolleys used at Bombay and Delhi airports;

(c)' what action has been taken for purchasing such sub-standard trolleys; and

(d) what steps are being taken to replace the trolleys at Delhi airports?

THE MINISTER OF CIVIL AVIATION AND TOURISM (SHRI MAD-HAV RAO SCINDIA): (a) to (d) The trolleys provided at both Delhi and Bombay airports are of similar design and quality. The price of trolly last supplied to Delhi and Bombay Airports was Rs. 1667/. and Rs. 1635/- respectively. While there is no evidence yet of any of these trolleys being sub-standard, the airports "have different mix of old and new trolleys. Replacement of trolleys is a continuous process. The design of the trolleys is being improved from time to time taking into consideration, among other things, passenger opinion. Of a total of 2100 trolleys at the Delhi Airport, 1500 trolleys were replaced in 1988-89 and 1989-90.

वायुदूत विमानों में "ब्लैक बाक्स" का लगाया जाना

*260. श्री अजीत जोगी :
श्री राजूभाई ए० परमार :

क्या नागर विमानन और पर्यटन मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या वायुदूत विमानों में "फ्लाइट डाटा रिकार्डर" (ब्लैक बाक्स) लगा होता है ;

(ख) यदि नहीं, तो उसके क्या कारण हैं ;

(ग) क्या सरकार विमानों में "ब्लैक बॉक्स" लगाने के लिए इन्हें खरीदने का विचार रखती है ;

(घ) यदि हां, तो विमानों में इन्हें कब तक लगा दिये जाने की संभावना है ; और

(ङ) क्या नागर विमानन के महा-निदेशक द्वारा इस संबंध में कोई आपत्तियां उठाई गई हैं ?